NEWSLETTER

शनिवार, 09 मार्च 2024 | वॉल्यूम - 88

Interview | Weekly cotton bales market | Weekly cotton arrival | Important News

केंद्र ने अगले 5 वर्षों के लिए मक्का, दाल, कपास पर एमएसपी गारंटी देने का प्रस्ताव दोहराया: पीयूष गोयल

GOLD : 66019
SILVER : 74280
CRUDE OIL : 6462

भारतीय कपास की वर्तमान स्थिति एवं इसकी ब्रांडिंग मूल्य में वृद्धि।

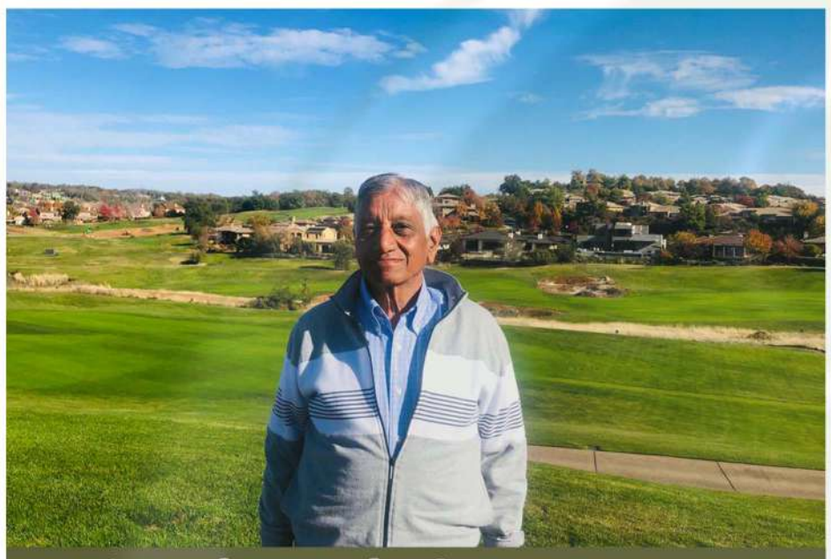

श्री एस. के. गुप्ता सेवानिवृत्त महाप्रबंधक
एन.टी.सी द्वारा प्रस्तुत जानकारी

कपास भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक आवश्यक वस्तु है और भारतीय कपड़ा उद्योगों की रीढ़ है, इसके अलावा कपास भारत के दो सबसे पुराने और सबसे बड़े उद्योगों, कृषि और कपड़ा का समर्थन करता है। कपास भारत और भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देश की बड़ी आबादी को समृद्ध जीवन प्रदान करता है। देश में लगभग 13.5 मिलियन हेक्टेयर में कपास की बुआई की जाती है, जो वैश्विक कपास क्षेत्र का 43% है और वैश्विक कपास के उत्पादन में 29% योगदान देता है। अनुमान है कि लगभग 65 मिलियन लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कपास उद्योगों में कार्यरत हैं।

भारत में कपास मुख्य रूप से 12 राज्यों में उगाया जाता है जिन्हे तीन क्षेत्रों, उत्तर, मध्य और दक्षिण में वर्गीकृत किया जा सकता है। लगभग 55% से 60% कपास का उत्पादन मध्य क्षेत्र में होता है। अन्य प्रमुख कपास उत्पादक देशों की तुलना में भारत में उपज बहुत कम है। किसानों की आय के मामले में लगभग हर देश हमसे आगे है। इसका मुख्य कारण गुलाबी बॉलवर्म का संक्रमण और खेत में कपास की मैन्युअल कटाई है, जो अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित करती है लेकिन इससे बर्बादी भी अधिक होती है। चूंकि कपास की फसल की चुनाई तब की जाती है जब मौसम अधिकतम उत्पादन के लिए अनुकूल होता है, अचानक जलवायु परिवर्तन से कपास की कीमतों में बदलाव आता है। इससे कपास उगाने से जुड़े जोखिम बढ़ जाते हैं और किसानों में साल-दर-साल कपास उगाने में रूचि नहीं रहती है।

भारत सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के माध्यम से किसान के हितों की सेवा करती है, जहां हर साल कपास के मौसम की शुरुआत से पहले कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा उत्पादन जैसे विभिन्न कारकों को ध्यान में रखते हुए एमएसपी तय किया जाता है, जो लागत, मांग आपूर्ति परिदृश्य वैश्विक और घरेलू कीमतों आदि पर आधारित है।

कपास की कीमत बढ़ाना।

अर्थव्यवस्था में सूती वस्त्रों के महत्व को कभी भी अधिक महत्व नहीं दिया जा सकता है। कपास की कीमत में सुधार से स्वचालित रूप से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और किसानो का उत्थान होगा । वर्तमान में भारतीय कपास दो प्रमुख मुद्दों कम उपज और मिलावट से ग्रस्त है। यदि इन दोनों मुद्दों पर ध्यान दिया जाए तो भारतीय कपास का मूल्य और ब्रांड काफी बढ़ जाएगा।

बेहतर गुणवत्ता वाले बीजों और कृषि पद्धतियों के माध्यम से उपज में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए जैसे कि :

- फसल में कपास की खेती के क्रम को बदलकर ।
- उचित बीजों का चयन करना ।
- घने पौधरोपण में उचित दुरी का अंतर।
- टपक सिंचाई।
- उर्वरकों कीटनाशकों और प्रकाश-संसीलेशन समय पर उपयोग।
- बुआई से पहले खेत की उचित तैयारी।

भारतीय कपास को भौतिक मापदंडों के मामले में दुनिया में सबसे अच्छी गुणवत्ता वाला कपास माना जाता है, जिससे छूने पर यह बहुत नरम और चिकना लगता है। भारतीय कपास से बने कपड़ों का स्पर्श और अनुभव बेहतर होता है। कुछ फायदों के बावजूद, भारतीय कपास के साथ कुछ मुद्दे हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहतर स्थान दिलाने के लिए प्रयास करने की करने की आवश्यकता है।

- लॉजिस्टिक और हैंडलिंग द्वारा कपास की गुणवत्ता में सुधार।
- अपनी बीज प्रौद्योगिकी में सुधार करके।
- जिनिंग और प्रेसिंग प्रथाओं में सुधार करके आर्द्रता में कमी लाकर ।
- सूती पैकिंग सामग्री और ढकने वाला कपड़ा।
- कपास की ग्रेडिंग
- कपास के अंदर अन्य सामग्री को नहीं मिलाना। मार्केटिंग में सुधार करके
- भारतीय कपास की ब्रांडिंग
- अनुसंधान कार्य के माध्यम से कपास एवं उसके उत्पादन से अधिक मूल्य प्राप्त करना।

संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि उपरोक्त उपायों को अपनाने से बेहतर उत्पादकता और उपज के साथ एक समान गुणवत्ता वाले धागे का उत्पादन होगा, जिसके परिणामस्वरूप अंततः बेहतर कपड़े की गुणवत्ता होगी। कॉटन की ब्रांडिंग से दुनिया भर में भारतीय कपास उत्पादों के उपभोक्ताओं को मदद मिलेगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा और टेक्सटाइल वैल्यू चेन को अधिक वैल्यू मिलेगी।

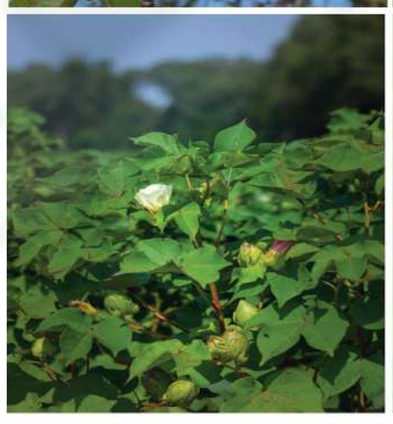

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77775

WEEKLY CHART 09.03.2024

ICE COTTON			
MONTH	01.03.24	08.03.24	WEEKLY CHANGE
MAY	95.57	95.28	-0.29
JULY	93.77	93.92	0.15
MCX (COTTON)			
MAR	61700	62600	900
MAY	64100	64520	420
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1667.5	1647.5	-20
NCDEX (COCUD KHAL)			
MAR	2692	2676	-16
APRIL	2729	2712	-17
MAY	2762	2750	-12
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91119 77775**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.9	82.78	-0.12
PAK (Pakistani Rupee)	278.396	279.261	0.865
CNY (Chinese yuan)	7.19592	7.18548	-0.01044
BRAZIL (Real)	4.95267	4.98034	0.02767
AUSTRALIAN Dollar	1.53213	1.50941	-0.02272
MALAYSIAN RINGGITS	4.74545	4.68504	-0.06041
COTLOOK "A" INDEX	105.95	101.95	-4
BRAZIL COTTON INDEX	87.28	85.05	-2.23
USDA SPOT RATE	90.21	89.74	-0.47
MCX SPOT RATE	61060	61060	0.00
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	21500	22000	500
GOLD ($)	2091.60	2186.20	94.6
SILVER ($)	23.345	24.525	1.18
CRUDE ($)	79.81	77.85	-1.96

पिछले सप्ताह की तेजी के बाद यह सप्ताह स्थिर हरा।

इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के मई 24, के लिए कॉटन के भाव 0.29 सेंट तक गिरे, जबकि जुलाई 24 माह के लिए कॉटन के भाव 0.15 सेंट तक बढ़े।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर कॉटन के दाम में मार्च और मई माह के लिए क्रमशः ९०० और 420 रुपऐ की तेजी देखी गई।

एनसीडीइएक्स पर कपास के भाव 20 रूपए प्रति 20 किलो तक गिरे, वहीं खल के भाव में मार्च, अप्रैल और मई माह में क्रमशः 16, 17 और 12 रुपय तक की गिरावट दर्ज की गई

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में गिरावट देखी गई , यूएसडीए स्पॉट रेट भी 0.47 सेंट गिरे जबकि एमसीएक्स स्पॉट रेट स्थिर रहे, वही ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 2.23 अंक की गिरावट दर्ज की गई है।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91119 77775

STATE	04.03.24	05.03.24	06.03.24	07.03.24	08.03.24	09.03.24
PUNJAB	1,000	1,200	1,200	1,200	1,000	1,000
HARYANA	3,500	3,500	4,000	4,000	4,000	3,500
UPPER RAJASTHAN	3,000	3,000	2,000	2,000	2,000	2,000
LOWER RAJASTHAN	2,500	2,500	2,500	2,100	2,100	2,100
NORTH ZONE	10,000	10,200	9,700	9,300	9,100	8,600
GUJRAT	25,000	25,000	24,000	22,000	20,000	27,000
MADHYA PRADESH	7,000	6,000	6,000	6,000	3,000	4,000
MAHARASHTRA	28,000	30,000	25,000	25,000	15,000	18,000
CENTRAL ZONE	60,000	61,000	55,000	53,000	38,000	49,000
KARNATAKA	8,000	5,000	6,000	6,000	2,000	5,000
ANDHRA PRADESH	3,000	3,000	2,500	2,500	1,000	2,000
TELANGANA	5,000	5,000	4,000	3,000	2,000	3,000
TAMILNADU	500	500	500	300	200	300
SOUTH ZONE	16,500	13,500	13,000	11,800	5,200	10,300
ODISHA	400	400	300	300	200	200
TOTAL	86,900	85,100	78,000	74,400	52,500	68,100
ARRIVAL IN 170 Kg.						

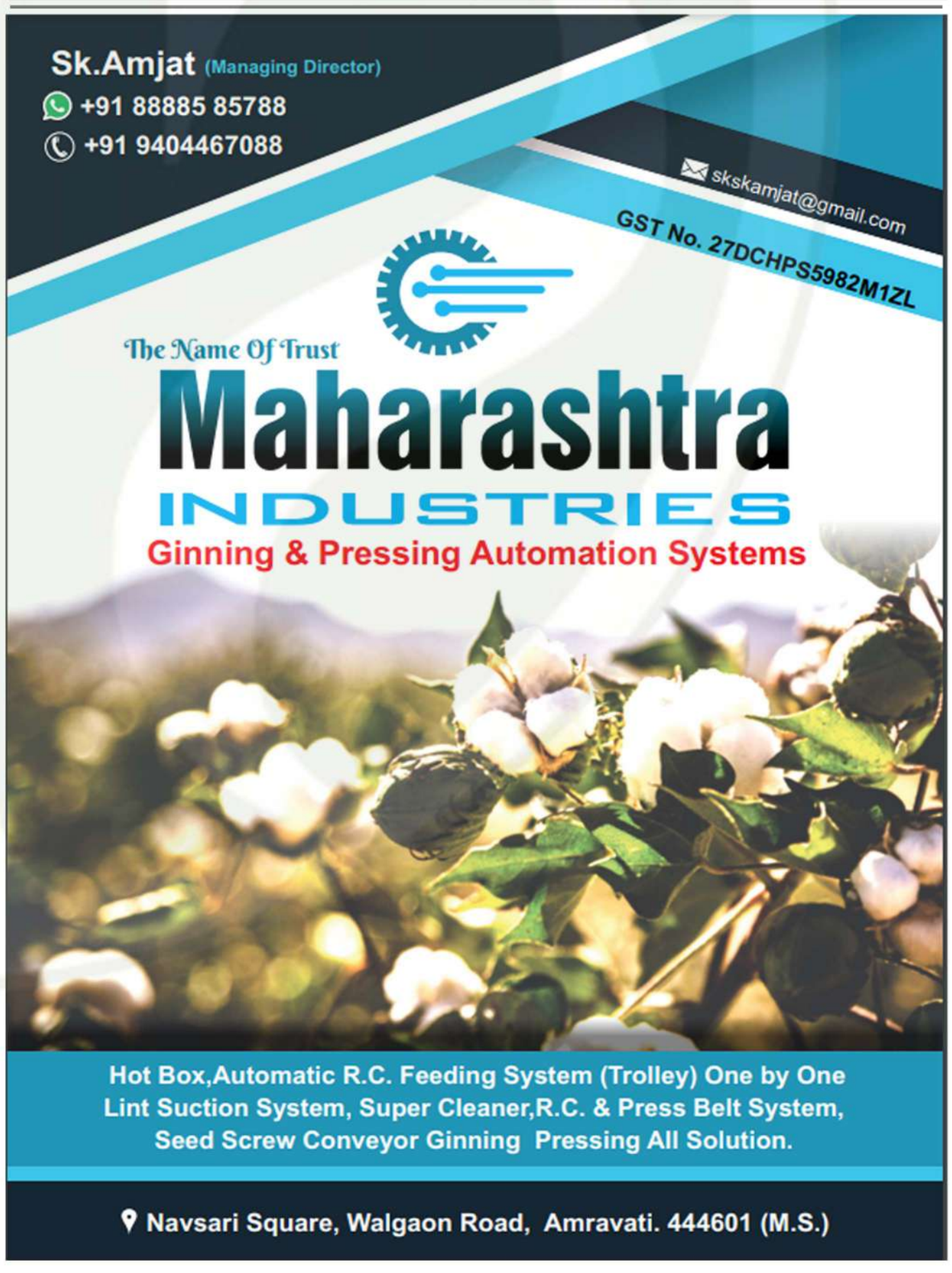

केंद्र ने अगले 5 वर्षों के लिए मक्का, दाल, कपास पर एमएसपी गारंटी देने का प्रस्ताव दोहराया: पीयूष गोयल

खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र ने मक्का, दालों और कपास के लिए अगले पांच वर्षों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) गारंटी प्रदान करने के अपने प्रस्ताव को दोहराया है।

गोयल ने एक चयनित मीडिया ब्रीफिंग के दौरान संवाददाताओं से कहा, "किसानों के कल्याण और गिरते जल स्तर को ध्यान में रखते हुए, सरकार अगले 5 वर्षों के लिए मक्का, दालों और कपास के "लिए एमएसपी की गारंटी देगी।

किसान मक्का और दालों की अपनी उपज सरकारी स्वामित्व वाली विपणन एजेंसियों एनसीसीएफ और एनएएफईडी को बेच सकते हैं, जबकि कपास की खरीद के लिए भारतीय कपास निगम (सीसीआई) को नामित किया गया है।

गोयल ने कहा, "इस फैसले से फसलों में विविधता लाने वाले किसानों को फायदा होगा। जो लोग मसूर और मक्का जैसी कम पानी की खपत वाली फसलों की खेती करते हैं, उन्हें एमएसपी गारंटी से फायदा "होगा। यह फैसला देश भर में लागू किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने निर्णय को लागू करने के लिए एक प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया है और एक पोर्टल विकसित किया है जहां किसानों को पहले पंजीकरण करना होगा और एक शपथ पत्र देना होगा कि उन्होंने फसल का विविधीकरण किया है।

उस पोर्टल पर पंजीकरण करने वाले किसान अपनी उपज एनसीसीएफ, नेफेड और सीसीआई को भी बेच सकते हैं। सरकार यह सत्यापित करने के लिए उपग्रह चित्रों और फसल बीमा डेटा का उपयोग करेगी कि क्या किसानों ने अपनी फसलों में विविधता लायी है। सरकार खरीदी गई दालों का उपयोग बफर स्टॉक बनाने के लिए करेगी, जिसका उपयोग बाद में कीमतों को नियंत्रित करने के लिए किया जाएगा।

सरकार किसानों से खरीदे गए मक्के की आपूर्ति एजेंसियों के माध्यम से इथेनॉल प्लांटों को करेगी. इस उद्देश्य के लिए, सरकार एनसीसीएफ, एनएएफईडी और इथेनॉल उत्पादक कंपनियों के साथ त्रिपक्षीय समझौते में प्रवेश करेगी।

किसानों के हित में फैसला

यह निर्णय चल रहे कृषि विरोध प्रदर्शनों के बीच आया है जहां किसान लगातार एमएसपी की मांग कर रहे हैं। किसान नेताओं के साथ चौथे दौर की बातचीत में तीन केंद्रीय मंत्रियों के एक पैनल ने किसानों के साथ समझौता करने के बाद पांच साल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरकारी एजेंसियों द्वारा दाल, मक्का और कपास की फसल खरीदने का प्रस्ताव दिया था।

हालाँकि, नेताओं ने केंद्र के प्रस्ताव को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह किसानों के हित में नहीं है। बकौल गोयल, "सरकार का मानना है कि यह फैसला किसानों के हित में है, इसलिए इसे लागू किया जाएगा।

पंजाब के किसानों ने 13 फरवरी को दिल्ली के लिए मार्च शुरू किया, लेकिन हरियाणा के साथ पंजाब की सीमा पर शंभू और खनौरी बिंदुओं पर सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोक दिया। कई प्रदर्शनकारी किसान अपने 'दिल्ली चलो' मार्च के तहत तब से पंजाब-हरियाणा सीमा पर डेरा डाले हुए हैं।

गिरते जल स्तर को लेकर सरकार चिंतित है

सरकार कई इलाकों में गिरते जल स्तर को लेकर चिंतित है. डायनेमिक ग्राउंडवॉटर रिसोर्सेज असेसमेंट ऑफ इंडिया - 2017 रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब के 138 ब्लॉकों में से 109 ब्लॉकों में जल स्तर काफी खराब हो गया है, जिनमें से दो गंभीर और पांच अर्ध-गंभीर स्थिति में हैं। केवल 22 ब्लॉक ही सुरक्षित हैं. हाल के वर्षों में, छोटे किसानों के लिए जमीन से पानी निकालने की लागत बढ़ गई है, जिसके परिणामस्वरूप उन फसलों की इनपुट लागत कम हो गई है, जिनमें अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती है।

सरकार का मानना है कि मक्के की खेती का इस्तेमाल इथेनॉल मिश्रण के लिए किया जाएगा. सरकार ने 2025 तक 20% इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य रखा है, जो कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और वाहनों से प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद करेगा। दालों की खेती बढ़ाने से आयात पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिल सकती है।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

गुजरात में कपास की कीमतें बढ़ीं

उत्तर गुजरात और सौराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में कपास की कीमतों में उतार-चढ़ाव का अनुभव हो रहा है, हाल ही में विभिन्न स्थानों पर वृद्धि देखी गई है। पिछले सप्ताह कीमतों में मामूली गिरावट के बावजूद, चालू सप्ताह में कपास की कीमतों में फिर से उछाल देखा गया है। 6 मार्च को गुजरात यार्ड में कपास की कीमतें लगभग 1600 रुपये तक पहुंच गईं।

भारत सरकार एमएसपी से नीचे, जूट और कपास की खरीद के लिए प्रतिबद्ध है,

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की है कि यदि बाजार की कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे आती हैं तो भारत सरकार किसानों से जूट और कपास की फसल खरीदने को तैयार है। यह कदम किसानों को समर्थन देने और यह सुनिश्चित करने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है कि उन्हें उनकी फसलों के लिए उचित मुआवजा मिले।

महाराष्ट्र के कपास किसान कीमतों में गिरावट के कारण संघर्ष कर रहे हैं, ऋण की बढ़ती समय सीमा के बीच दुविधा का सामना कर रहे हैं

महाराष्ट्र के यवतमाल के बाभुलगांव के किसान पिछले साल कीमतों में भारी गिरावट का हवाला देते हुए अपनी कपास की उपज बेचने की चुनौती से जूझ रहे हैं। ऋण अदायगी की बढ़ती समय सीमा ने उन्हें असमंजस में डाल दिया है, जिससे उन्हें यह निर्णय लेने में कठिनाई हो रही है कि क्या वे अपनी फसल को घाटे में बेचें या उस पर बने रहें।

मूल्य संकट के बीच बांग्लादेश में कपास की खेती बढ़ी: किसान विसंगतियों के बीच मांग को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं

बांग्लादेश में कपास की खेती का चलन बढ़ रहा है क्योंकि किसानों का लक्ष्य स्थानीय मांग को पूरा करना और आयात पर निर्भरता कम करना है। हालाँकि, घरेलू बाज़ार में निराशाजनक कीमतों से उनकी संतुष्टि कम हो गई है। बीज, उर्वरक, डीजल, कीटनाशक और श्रम जैसी खेती की बढ़ती लागत के बावजूद, किसानों को उनकी अपेक्षा से कम कीमतें मिल रही हैं।

वैश्विक कपास की कमी से विदर्भ कपास उत्पादकों को लाभ: चीन में ठंडा मौसम और अमेरिका में कम उपज से कीमतें बढ़ीं

चीन में गंभीर ठंड के कारण फसल चक्र बाधित हो रहा है और अमेरिका से पैदावार में गिरावट से विदर्भ में कपास उत्पादकों को अप्रत्याशित रूप से लाभ हुआ है। वर्तमान में, उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 7,020 रुपये प्रति क्विंटल से थोड़ा ऊपर कीमतें मिल रही हैं।

कॉटन फिजिकल मार्केट इस सप्ताह कॉटन के भाव में तेजी वाला माहौल रहा।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए तेजी वाला रहा। नार्थ ,साउथ और सेंट्रल झोन में लगातार तीसरे सप्ताह बढ़त देखी गई।

नार्थ झोन में पंजाब और हरीयाणा और राजस्थान में क्रमशः 200, 235 और 275 रुपए प्रति मंड की बढ़त देखने को मिली।

वही सेंट्रल झोन के मध्य प्रदेश और गुजरात राज्य में 2,000 रूपए की बढ़त दर्ज की गई वहीं महाराष्ट्र में सबसे कम 1500 रूपए की बढ़त देखने को मिली।

साउथ झोन मार्केट में ओडिशा, कर्णाटक, और तेलंगाना में क्रमशः 1800, 1500 और 1500 रूपए प्रति कैंडी की बढ़त देखी गई, आंध्र प्रदेश स्थिर रहा।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 09.03.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	04.03.24		09.03.24		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,875	5,925	6,075	6,125	200
HARYANA	27.5/28	5,790	5,790	6,025	6,025	235
UPPER RAJASTHAN	28	5,475	5,975	5,800	6,250	275
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	60,200	60,500	62,000	62,500	2,000
MADHYA PRADESH	29	59,500	60,000	61,500	62,000	2,000
MAHARASHTRA	29+ vid.	59,500	60,000	60,500	61,500	1,500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	60,300	60,500	62,200	62,300	1,800
KARNATAKA	29 mm	60,500	61,000	62,000	62,500	1,500
ANDHRA PRADESH	29	58,200	58,700	58,200	58,700	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	60,500	61,000	62,000	62,500	1,500
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

NEWSLETTER

Saturday, 09 March 2024 | Volume - 88

Interview | Weekly cotton bales market | Weekly cotton arrival | Important News

Centre reiterates proposal to give MSP guarantee on maize, pulses, cotton for next 5 years: Piyush Goyal

GOLD : 66019
SILVER : 74280
CRUDE OIL : 6462

Current status of Indian cotton and increase in its branding value.

"The information presented by Shri S. K. Gupta, retired Chief General Manager, N. T. C."

Cotton is an essential commodity for the Indian economy and is the backbone of the Indian textile industries, moreover cotton supports two of India's oldest and largest industries, agriculture and textiles. Cotton plays a very important role in India and Indian economy. Provides prosperous life to the large population of the country. Cotton is sown in about 13.5 million hectares in the country, which is 43% of the global cotton area and contributes 29% to the global cotton production. It is estimated that about 65 million people are directly or indirectly employed in the cotton industries.

Cotton in India is mainly grown in 12 states which can be classified into three regions, North, Central and South. About 55% to 60% of cotton is produced in the central region. The yield in India is very low compared to other major cotton producing countries. Almost every country is ahead of us in terms of farmers' income. The main reasons for this are pink bollworm infestation and manual harvesting of cotton in the field, which ensures good quality but also leads to high wastage. Since the cotton crop is picked when the weather is favorable for maximum production, sudden climate changes lead to changes in cotton prices. This increases the risks associated with growing cotton and farmers lose interest in growing cotton year after year.

The Government of India serves the interests of the farmer through the Minimum Support Price (MSP), where the MSP is decided by the Agricultural Costs and Prices Commission every year before the beginning of the cotton season, taking into account various factors such as production, Which is based on cost, demand supply scenario, global and domestic prices etc.

Increasing the price of cotton

The importance of cotton textiles in the economy can never be overemphasized. Improvement in cotton prices will automatically boost the economy and upliftment of farmers. Currently Indian cotton suffers from two major issues low yield and adulteration. If both these issues are addressed, the value and brand of Indian cotton will increase significantly.

Continuous efforts should be made to improve the yield through better quality seeds and agricultural practices such as:

- By changing the sequence of cultivation of cotton in 1 crop.
- Selecting appropriate seeds.
- Appropriate distance spacing in dense plantation.
- Drip irrigation.
- Timely use of fertilizers, pesticides and light-sensitivity.
- Proper preparation of the field before sowing.

Indian cotton is considered to be the best quality cotton in the world in terms of physical parameters, making it very soft and smooth to touch. Clothes made from Indian cotton have a better touch and feel. Despite some advantages, there are some issues with Indian cotton which need to be addressed to make efforts to get a better position in the international market.

- Improvement in quality of cotton by logistics and handling.
- By improving their seed technology.
- By improving ginning and pressing practices
- By reducing humidity.
- Cotton packing material and covering cloth.
- Grading of cotton
- Not mixing other materials inside cotton.
- By improving marketing
- Branding of Indian Cotton
- To get more value from cotton and its production through research work.

In short it can be said that adoption of the above measures will produce uniform quality yarn with better productivity and yield, ultimately resulting in better fabric quality. Branding of cotton will help consumers of Indian cotton products across the world. Confidence will increase and the textile value chain will get more value.

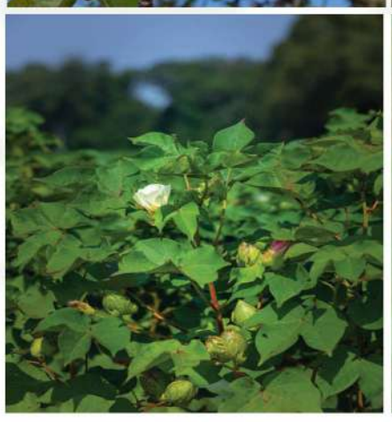

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775 WEEKLY CHART 09.03.2024			
ICE COTTON			
MONTH	01.03.24	08.03.24	WEEKLY CHANGE
MAY	95.57	95.28	-0.29
JULY	93.77	93.92	0.15
MCX (COTTON)			
MAR	61700	62600	900
MAY	64100	64520	420
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1667.5	1647.5	-20
NCDEX (COCUD KHAL)			
MAR	2692	2676	-16
APRIL	2729	2712	-17
MAY	2762	2750	-12
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.9	82.78	-0.12
PAK (Pakistani Rupee)	278.396	279.261	0.865
CNY (Chinese yuan)	7.19592	7.18548	-0.01044
BRAZIL (Real)	4.95267	4.98034	0.02767
AUSTRALIAN Dollar	1.53213	1.50941	-0.02272
MALAYSIAN RINGGITS	4.74545	4.68504	-0.06041
COTLOOK "A" INDEX	105.95	101.95	-4
BRAZIL COTTON INDEX	87.28	85.05	-2.23
USDA SPOT RATE	90.21	89.74	-0.47
MCX SPOT RATE	61060	61060	0.00
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	21500	22000	500
GOLD ($)	2091.60	2186.20	94.6
SILVER ($)	23.345	24.525	1.18
CRUDE ($)	79.81	77.85	-1.96

Steady green this week after last week's rise.

Cotton prices for May 24 fell by 0.29 cents on the International Cotton Exchange, while cotton prices for July 24 month rose by 0.15 cents.

In the Indian market, cotton prices on Multi Commodity Exchange (MCX) saw an increase of Rs 900 and Rs 420 for the months of March and May respectively.

On NCDEX, cotton prices fell by Rs 20 per 20 kg, whereas in the months of March, April and May, the price of cotton fell by Rs 16, 17 and 12 respectively.

If we look at the cotton market of other countries, a decline was seen in the Cotton Look "A" index, USDA spot rate also fell by 0.47 cents while MCX spot rate remained stable, while a decline of 2.23 points was recorded on the Brazilian Cotton Index.

Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91119 77775						
STATE	04.03.24	05.03.24	06.03.24	07.03.24	08.03.24	09.03.24
PUNJAB	1,000	1,200	1,200	1,200	1,000	1,000
HARYANA	3,500	3,500	4,000	4,000	4,000	3,500
UPPER RAJASTHAN	3,000	3,000	2,000	2,000	2,000	2,000
LOWER RAJASTHAN	2,500	2,500	2,500	2,100	2,100	2,100
NORTH ZONE	10,000	10,200	9,700	9,300	9,100	8,600
GUJRAT	25,000	25,000	24,000	22,000	20,000	27,000
MADHYA PRADESH	7,000	6,000	6,000	6,000	3,000	4,000
MAHARASHTRA	28,000	30,000	25,000	25,000	15,000	18,000
CENTRAL ZONE	60,000	61,000	55,000	53,000	38,000	49,000
KARNATAKA	8,000	5,000	6,000	6,000	2,000	5,000
ANDHRA PRADESH	3,000	3,000	2,500	2,500	1,000	2,000
TELANGANA	5,000	5,000	4,000	3,000	2,000	3,000
TAMILNADU	500	500	500	300	200	300
SOUTH ZONE	16,500	13,500	13,000	11,800	5,200	10,300
ODISHA	400	400	300	300	200	200
TOTAL	86,900	85,100	78,000	74,400	52,500	68,100
ARRIVAL IN 170 Kg.						

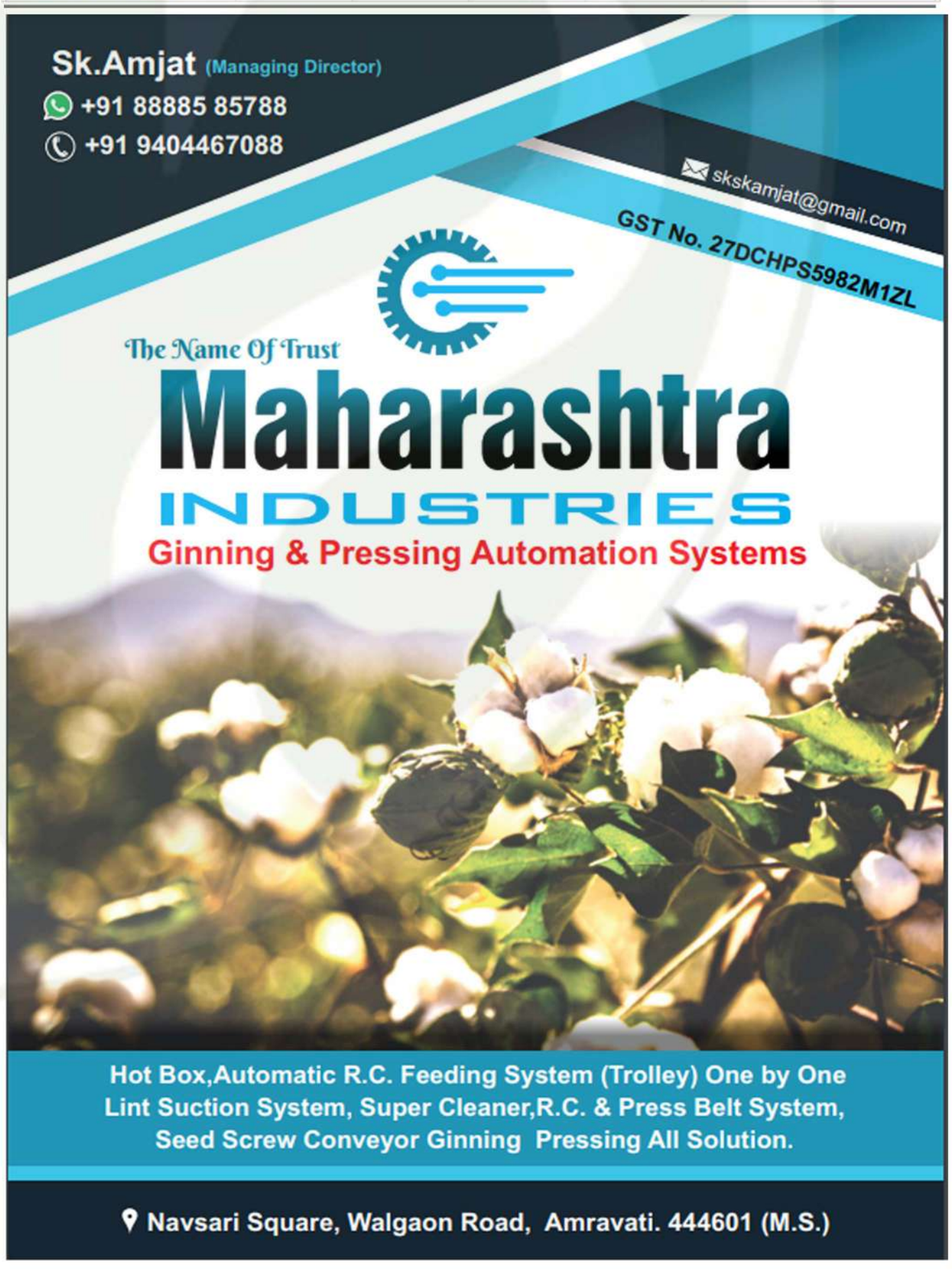

Centre reiterates proposal to give MSP guarantee on maize, pulses, cotton for next 5 years: Piyush Goyal

The Centre has reiterated its proposal to provide the minimum support price (MSP) guarantee for the next five years for maize, pulses and cotton, Food and Consumer Affairs Minister Piyush Goyal on Friday.

"Considering the welfare of farmers and declining water levels, the government will guarantee MSP for maize, pulses, and cotton for the next 5 years," Goyal told reporters during a selected media briefing.

The farmers can sell their produce of maize and pulses to the government-owned marketing agencies NCCF and NAFED, while the Cotton Corporation of India (CCI) has been designated for the procurement of cotton.

"The decision will benefit farmers diversifying their crops. Those who cultivate crops with lower water consumption, like lentils and maize, will benefit from the MSP guarantee. This decision will be implemented nationwide," Goyal added.

The central government has finalised a process to implement the decision and has developed a portal where farmers will have to register first and give an undertaking that he has diversified the crop.

Farmers registering on that portal can also sell their produce to NCCF, NAFED, and CCI. The government will use satellite images and crop insurance data to verify if farmers have diversified their crops. The government will use purchased pulses to create buffer stocks, which will later be used to control the prices.

The government will supply maize purchased from farmers through agencies to ethanol plants. For this purpose, the government will enter into tripartite agreements with NCCF, NAFED, and ethanol-producing companies.

Decision in the interest of farmers

The decision comes amid the ongoing farm protests where farmers have been demanding a consistent MSP. In the fourth round of talks with farmer leaders, a panel of three Union ministers had proposed buying of pulses, maize and cotton crops by government agencies at minimum support prices (MSP) for five years after entering into an agreement with farmers.

The leaders, however, rejected the Centre's proposal stating it was not in farmers' interest. According to Goyal, "The government believes that this decision is in the interest of farmers, so it will be implemented."

Farmers from Punjab began their march to Delhi on February 13 but were stopped by security personnel at Shambhu and Khanauri points on Punjab's border with Haryana. Many protesting farmers have been camping at the Punjab-Haryana border since then as part of their 'Delhi Chalo' march.

Government concerned about declining water levels

The government is concerned about declining water levels in many areas. According to the Dynamic Groundwater Resources Assessment of India - 2017 report, out of 138 blocks in Punjab, water levels in 109 blocks have deteriorated significantly, with two in critical and five in semi-critical situations. Only 22 blocks are safe. In recent years, the cost of extracting water from the ground has increased for small farmers, resulting in reduced input costs for crops that do not require much water.

The government believes that maize cultivation will be used for ethanol blending. By 2025, the government has set a target of 20% ethanol blending, which will help reduce dependence on crude oil imports, promote renewable energy, and control pollution from vehicles. Increased cultivation of pulses can also help reduce dependence on imports.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Cotton prices increased in Gujarat
Cotton prices are experiencing fluctuations in various regions of North Gujarat and Saurashtra, with recent increase observed at various places. Despite a slight decline in prices last week, cotton prices have seen a rebound in the current week. On March 6, Gujarat yard cotton prices reached around Rs 1600.

Government of India is committed to purchase jute and cotton, below the MSP,
Union Minister Piyush Goyal has announced that the Government of India is ready to purchase jute and cotton crops from farmers if the market prices fall below the Minimum Support Price (MSP). The move is part of the government's efforts to support farmers and ensure that they get fair compensation for their crops.

Maharashtra's cotton farmers struggle as prices fall, face dilemma amid increasing loan deadlines"
Farmers of Babhulgaon in Yavatmal, Maharashtra are facing the challenge of selling their cotton produce citing the huge fall in prices last year. The increasing deadline for loan repayment has left them in a dilemma, making it difficult for them to decide whether to sell their crops at a loss or hold on to them.

Cotton cultivation increases in Bangladesh amid price crisis: Farmers trying to meet demand amid discrepancies
Cotton cultivation is increasing in Bangladesh as farmers aim to meet local demand and reduce dependence on imports. However, their satisfaction has been dampened by disappointing prices in the domestic market. Despite rising costs of farming such as seeds, fertilizers, diesel, pesticides and labour, farmers are getting lower prices than they expected.

Vidarbha cotton growers benefit from global cotton shortage: Cold weather in China and low yield in the US boost prices
Crop cycles being disrupted due to severe cold in China and decline in yields from the US have given cotton growers in Vidarbha a windfall. At present, they are getting prices slightly above the minimum support price (MSP) of Rs 7,020 per quintal.

Cotton Physical Market: This week there was a bullish environment in cotton prices.

This week was bullish for the cotton physical market. Growth was seen in North, South and Central zones for the third consecutive week.

In the North Zone, an increase of Rs 200, 235 and 275 per maund was seen in Punjab, Haryana and Rajasthan respectively.

Whereas in the Central Zone states of Madhya Pradesh and Gujarat, an increase of Rs 2,000 was recorded, while the lowest increase of Rs 1,500 was seen in Maharashtra.

In the South Zone market, Odisha, Karnataka, and Telangana witnessed gains of Rs 1800, Rs 1500 and Rs 1500 per candy respectively, Andhra Pradesh remained stable.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 09.03.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	04.03.24		09.03.24		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,875	5,925	6,075	6,125	200
HARYANA	27.5/28	5,790	5,790	6,025	6,025	235
UPPER RAJASTHAN	28	5,475	5,975	5,800	6,250	275
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	60,200	60,500	62,000	62,500	2,000
MADHYA PRADESH	29	59,500	60,000	61,500	62,000	2,000
MAHARASHTRA	29+ vid.	59,500	60,000	60,500	61,500	1,500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	60,300	60,500	62,200	62,300	1,800
KARNATAKA	29 mm	60,500	61,000	62,000	62,500	1,500
ANDHRA PRADESH	29	58,200	58,700	58,200	58,700	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	60,500	61,000	62,000	62,500	1,500
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						